this account is brought to their notice by the consumer.

(c) Does not arise in view of the reply to part (b) above.

मध्य प्रदेश को विद्युत परियोजनाओं को गैर-सरकारी क्षेत्र में स्थापित किया जाना

2016. **श्री कैलाश नारायण सारंग :** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वित्तीय साधनों की कमी को ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश की कतिपय विद्युत परियोजनाओं को निजी क्षेत्र में स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है ;

(ख) यदि हां, तो उन विद्युत परियोजनाओं के नाम क्या-क्या हैं जिन्हें निजी क्षेत्र में स्थापित किये जाने का प्रस्ताव है; और

(ग) इस संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है और इन परियोजनाओं के प्रारंभ तथा पूर्ण होने की संभावित तिथियां क्या-क्या हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) और (ख) मध्य प्रदेश में निजी क्षेत्र में निम्नलिखित विद्युत परियोजनाओं को स्थापित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है:-

क्र०सं०	परियोजना/ राज्य का नाम	विदेशी/ भारतीय	क्षमता (मे०वा०)	अनुमानित लागत (करोड़ रुपये)	कम्पनी का नाम
1.	पेंच ता० वि०के०/म०प्र०	भारतीय	420.00 (2 × 210) (कोयला)	1567.96	सैंचूरी पावर
2.	महेश्वर एचईपी/म०प्र०	भारतीय	400.00 (10 × 40) (जल विद्युत)	602.54	एस० कुमार्स
3.	कोरबा वैस्ट विस्तार यूनिट 5 एवं 6 ता० वि०के० म०प्र०	भारतीय	420.00 (2 × 220) (कोयला)	977.57	मुकुन्द लि०
4.	भिलाई कैप्टिव ता०वि० के०/म०प्र०	भारतीय/ संयुक्त उपक्रम	500.00	1200.00	एनटीपीसी/सेल
5.	तावा ता०वि०के/म०प्र०	भारतीय	12.00 (जल विद्युत)	20.00	एचईजी लि०

(ग) परियोजना के प्रवर्तक सम्बन्धित राज्य बिजली बोर्डों और राज्य सरकारों के साथ परियोजना पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। और विभिन्न सांविधिक और गैर सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर रहे हैं। परियोजनाओं को आरम्भ और पूरा होने सम्बन्धी समय सारणी इनके सुनिश्चित होने के बाद ही पता चल सकेगी।